विवान 4

पाठ 1. सूरज का गोला

कविता का उद्देश्य

प्रस्तुत कविता में सुबह के समय का तथा सूरज के निकलने से प्रकृति में होने वाले परिवर्तनों का वर्णन किया गया है। इस कविता का उद्देश्य बच्चों को सुबह जल्दी उठने तथा आलस को दूर करने की सीख देना है।

कविता का सारांश

प्रस्तुत कविता में सूरज के निकलने का मनोहारी वर्णन किया गया है। सूरज हम सबके जीवन में प्रकाश की किरणें भरता है तथा अंधकार को दूर भगाता है। सूरज सबसे जगने के लिए कह रहा है। वह हमें घने अँधेरे से निकलने के लिए प्रेरित कर रहा है। सबने मिलकर सूरज का स्वागत किया तथा गाँव-गली और जंगल चारों ओर खुशियाँ फैल गईं।

अध्यापन संकेत

कविता का वाचन करने से पूर्व बच्चों से पाठ संबंधित चर्चा करें। उनसे पूछें, क्या वे सुबह जल्दी उठते हैं या उठने में आनाकानी करते हुए देर से उठते हैं। कविता का सस्वर वाचन करें। बच्चों से एक-एक अंश पढ़वाएँ। उनसे पूछें तथा समझाएँ–

- बच्चों को समझाएँ सुबह जल्दी उठना चाहिए।
- कविता की पंक्तियों का भाव स्पष्ट करें–'मेरे साथ-साथ सब निकलो, घने अँधेरे से कब जागोगे, अगर न जागे मेरे टेरे से?'–इनका अर्थ है कि सूरज कह रहा है कि अब तो मैं भी निकल आया हूँ यदि तुम अब नहीं जागोगे तो फिर कब जागोगे। अर्थात् सूर्य निकलने पर बिस्तर छोड़ देना चाहिए।
- बताएँ कि सारी प्रकृति सूरज के निकलते ही खिल उठती है।

डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से कविता की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर कविता के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए।